वर्ष-8 | अंक 35 | 22 अप्रैल से 28 अप्रैल 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति

कमलनाथ के करीबी समेत 100 नेताओं ने कांग्रेस छोड़ी

उदय प्रताप सिंह चौहान

शिवपुरी में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। 2 बार विधायक रह चुके हरि वल्लभ शुक्ला ने शनिवार को भोपाल में भाजपा जॉइन कर ली। वे एक बार समानता दल से भी विधायक चुने गए थे। शुक्ला ने सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने भाजपा की सदस्यता ली। उनके बेटे आलोक शुक्ला ने भी कांग्रेस छोड़ दी है। आलोक जिला उपाध्यक्ष थे। उधर, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत के भी भाजपा में जाने की अटकलें हैं। हरि वल्लभ शुक्ला ने कहा, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ली है। सभी क्षेत्रों में भाजपा ने बेहतर काम किया है। बीजेपी की सदस्यता लेने वालों में कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, कमलनाथ के करीबी संदेश गर्ग और प्रदेश महासचिव कमल सिंह रघुवंशी समेत जिला महामंत्री आलोक शुक्ला भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में दतिया के 100 कार्यकर्ताओं ने भी बीजेपी की सदस्यता ली है।

सिंधिया के सामने भाजपा से चुनाव लड़ चुके हैं शुक्ला

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिता माधवराव सिंधिया के देहांत के बाद उनकी पारंपरिक गुना सीट से 2002 में उपचुनाव लड़ा और लोकसभा पहुंचे। 2004 में भी उन्होंने इसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा। तब भाजपा की तरफ से हरि वल्लभ शुक्ला उनके सामने थे। सिंधिया शुक्ला से महज 86 हजार वोटों से जीत सके थे।

6 बार के विधायक रामनिवास भाजपा जॉइन कर सकते हैं

कांग्रेस से 6 बार के विधायक, पूर्व मंत्री व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वर्किंग प्रेसिडेंट रामनिवास रावत भी भाजपा का दामन थाम सकते हैं। उनके 25 अप्रैल को मुरैना में पीएम मोदी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने की अटकलें हैं। सूत्रों के मुताबिक, वे भाजपा जॉइन करने से पहले विधायक पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की चर्चाएं हैं। हालांकि, भास्कर ने रावत से भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं पर पूछा तो वे बोले, अभी मैंने ऐसा कुछ कहा ही नहीं है। जब उनसे पूछा कि क्या यह अफवाह है? तो उन्होंने कहा, मैं तो अपनी रुटीन दिनचर्या पर काम कर रहा हूं। पूजा पाठ, शादी समारोह में व्यस्त हूं।

छिंदवाड़ा मेयर का यूटर्न, नकुल के समर्थन में उतरे

18 दिन पहले बीजेपी जॉइन करने वाले छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके ने यूटर्न ले लिया। विक्रम ने वीडियो जारी कर नकुलनाथ को वोट देने की अपील की है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा है कि भाजपा में घुटन हो रही थी।विक्रम ने भाजपा छोड़ने की बात तो कही है लेकिन कांग्रेस में वापसी की है या नहीं, इस बारे में चुप्पी साधे हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर जो फोटो लगाई है, उसमें वे कमलनाथ और नकुलनाथ की फोटो निहारते दिख रहे हैं।

नरोत्तम बोले- कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति

भाजपा जॉइनिंग टोली के संयोजक और पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा, कांग्रेस अब हेरीटेज की तरह हो गई है। कुछ बुजुर्ग और जर्जर नेताओं के सहारे खड़ी है। इसमें कोई रहना नहीं चाहता। कांग्रेस में भगदड़ के हालात हैं। 4 लाख से अधिक लोग अभी तक मध्यप्रदेश में बूथ स्तर तक कांग्रेस छोड़ चुके हैं। जनता का विश्वास, यहां तक कि उनके नेताओं का विश्वास भी अब कांग्रेस पर नहीं रहा। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके की कांग्रेस में वापसी पर नरोत्तम ने कहा, स्वाभाविक रूप से उन्होंने ऐसा बयान दिया है। वह मैंने भी सुना है। दबाव तो कभी किसी का किसी पर नहीं रहता है।

सीएम बोले- वे परिवार राज लागू कराने की कोशिश कर रहे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, देश में संविधान लागू करने के समय सबके लिए समान अवसर की बात कही गई थी। दुर्भाग्य की बात यह है कि कुछ लोग कहते हैं कि हम संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन वे असल मायने में संविधान को एक तरफ रखकर एक ही परिवार का राज लागू कराने की कोशिश कर रहे हैं।

नक्सलियों की धमकी बेअसर

सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित 58 बूथों पर 80% मतदान

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदान का बहिष्कार करने की नक्सलियों ने धमकी दी थी। बावजूद इसके नक्सल प्रभावित 319 बूथों में न केवल शांतिपूर्ण मतदान हुआ बल्कि 58 सबसे ज्यादा संवेदनशील बूथों पर 80 प्रतिशत तक मतदान हुआ। बालाघाट में बैहर के वनग्राम दुगलई में नौ बजे से पहले ही सौ प्रतिशत मतदान हो गया। यहां कुल 80 मतदाता हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार देश में 38 जिले नक्सल प्रभावित हैं। इनमें मप्र के बालाघाट, मंडला और डिंडोरी हैं। मप्र पुलिस ने नक्सलियों की धमकी को चुनौती के रूप में स्वीकारा और सुरक्षा चाकचौबंद की। इन तीन जिलों में संवेदनशील मार्गों को चिह्नित कर यहां रोड ओपनिंग पार्टी को तैनात किया गया। सर्चिंग अभियान चलाया गया। एरिया डॉमिनेटिंग की गई। अंतरराज्यीय सीमा पर चैक पोस्ट लगाकर नाकेबंदी की गई।

डीजीपी सुधीर सक्सेना ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान पर संतोष जताया है।

चेक पोस्ट बनाकर सर्चिंग

बता दें कि बालाघाट जिले की सीमा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से जुड़ती है। यहां जिले के अंदर ही कई चैक पोस्ट बनाकर सर्चिंग की गई और बम डिस्पोजल टीम को विजिलेंस के साथ डिप्लॉय किया गया। बालाघाट पुलिस, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा फोर्स की संयुक्त टीम यहां तैनात कर मतदाताओं की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। नतीजतन इन क्षेत्रों में न केवल शांतिपूर्ण मतदान हुआ बल्कि सामान्य से अधिक मतदान भी हो पाया।

भोपाल में महिला से डायमंड नेकलेस की लूट

रात 3 बजे फेंसिंग काटकर कॉलोनी में दाखिल हुए, चाकू अड़ाकर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में एक बुजुर्ग महिला से चाकू की नोक पर डायमंड नेकलेस, डायमंड रिंग और सोने के जेवरात की लूट हो गई। मामला कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के प्राइड सिटी का है। यहां रहने वालीं आशा चौकीकर (59) के घर शुक्रवार देर रात करीब तीन बजे लुटेरे दाखिल हुए, और चाकू अड़ाकर जेवरात ले भागे। घटनाक्रम के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें लुटेरे वारदात से पहले दाखिल होते और बाद में लौटते दिखाई दे रहे हैं।

मंकी कैप पहनकर हुए थे लुटेरे

श्जानकारी के मुताबिक लुटेरे तार फेंसिंग काटकर कॉलोनी में दाखिल हुए। पहले उन्होंने

मकानों की रैकी। फिर महिला के घर में घुसकर लूट की। वारदात को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए जहां से दाखिल हुए थे। घटना महिला के घर के पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसमें चार लुटेरे मंकी कैप पहने नजर आ रहे हैं।

बोले- शोर किया तो मार देंगे

बुजुर्ग महिला की शिकायत के मुताबिक- लुटेरों के हाथों में धारदार हथियार और रॉड थी। रॉड को फंसाकर उन्होंने मेन गेट का लॉक तोड़ा, फिर घर में दाखिल हुए। वे सीधे मेरे बेडरुम में आ धमके। मुझसे कहा- शोर मत करना, जो कुछ सामान है, चुपचाप दे दो। नहीं तो जान से मार देंगे। खामोश रहोगी तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। वे घर से डायमंड और सोने के जेवरात ले गए। इनमें छोटे बेटे की शादी में गिफ्ट के तौर पर सोने की झुमकी भी शामिल थी। लुटेरों ने जेवरात एकत्रित किए और घर पर ही रखे एक फ्लो कवर में बांधकर भाग निकले। यहीं नहीं बदमाशों ने मोबाइल फोन जमीन पर जोर से फेंककर तोड़ दिया है। बाद में उसे साथ ले गए, जो घर के नजदीक ही झाड़ियों से बरामद किया गया है।

थाना प्रभारी बोले- लूट नहीं चोरी है, 3 टीमें तलाश में जुटी

कटारा हिल्स थाना प्रभारी जय कुमार ने बताया कि आरोपियों की तलाश में तीन टीमें जुटी हैं। महिला पर किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं हुआ है। पीड़िता के बताए अनुसार घटनाक्रम चोरी का है। इस कारण चोरी की धाराओं में स्नङ्क दर्ज की गई है। मकान में महिला अकेली रहती हैं। उनका एक बेटा बेंगलुरु और दूसरा दिल्ली में जॉब करता है।

चोरी के जेवरात बेचने की फिराक में था बदमाश

पकड़े जाने के डर से अकेले चोरी करता, इसके बाद घर बदल लेता, अब गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी के कमला नगर थाना पुलिस ने चोरी के जेवरात बेचने की फिराक में खड़े एक 32 साल के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद उससे 2 और चोरी की वारदात का खुलासा हुआ है। पुलिस पूछताछ कर रही है ताकि अन्य चोरियों का भी खुलासा हो सके। आरोपी के पास से सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब तीन लाख रुपए का माल बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक 16 मार्च को गर्वमेंट क्वार्टर कोटरा निवासी प्रदीप अस्टेया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे अपने भाई की शादी में 7 मार्च को ग्वालियर गए हुए थे। 16 मार्च को वापस आए तो पता चला कि घर के और आलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। आलमारी के अंदर पुराने सोने के महंगे टाप्स, सोने की एक लोंग तथा 3-4 हजार रुपए नगद रखे थे। मुखबिर की सूचना पर 18 अप्रैल को अंबेडकर नगर पार्क के पास एक व्यक्ति को सोने -चांदी के जेवर बेचने की फिराक में घूमने की सूचना मिली। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम साहब खान उर्फ सलमान पिता रज्जाक खान (32) निवासी 226 गैस राहत कालोनी थाना निशातपुरा बताया। पूछताछ के दौरान ही उसने गर्वमेंट क्वार्टर में 15 मार्च को रात्रि के समय चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि पकड़े जाने के डर से अकेले ही वारदात करता था। आरोपी से और पूछताछ करने पर उसने सैर सपाटा थाना कमला नगर स्थित मंदिर में चोरी और कुम्हारपुरा जहांगीराबाद में एक घर से चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में

गुना में युवती को पीटा, जख्मों पर मिर्च लगाई

न्यूज क्राइम फाइल

गुना में युवती को युवक ने बेल्ट और लेजम (पानी के पाइप) से बुरी तरह पीटा। उसके जख्मों पर मिर्च लगा दी। चीखी तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी। आरोपी युवती पर शादी और मकान की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव डाल रहा था। युवती मां के साथ रहती है। पिता की मौत हो चुकी है और भाई-बहन नहीं है। युवती की मां ने उससे यह कह दिया था कि घर बेच दिया है। इस बात से नाराज युवक ने क्रूरता की। युवती को एक महीने घर में बंधक बनाकर रखा। घटना शहर के नानाखेड़ी इलाके में मंगलवार रात की है। युवती बुधवार सुबह घायल हालत में कैंट थाने पहुंची। देर शाम तक पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मेरे साथ आरोपी ने जबरदस्ती भी की

चीखी तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी; शादी और मकान नाम करने का दबाव

23 साल की युवती ने बताया, आरोपी अयान पठान घर के पास में ही रहता है। उसने मुझे एक महीने अपने घर कैद करके रखा। मेरे साथ जबरदस्ती की। वह न तो बाहर आने देता और न किसी से बात करने देता। कहता है कि अपनी मां से कहो कि मकान मेरे नाम कर दें। मैं किसी तरह अपने घर आई। मंगलवार रात उसने घर आकर मुझे लेजम और बेल्ट से पीटा। मेरे पूरे शरीर में चोट आई है। दोनों आंखों में सूजन है। दर्द होने पर चिल्लाई तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी, ताकि आवाज न निकल सके।

आरोपी के घर वाले युवती को अस्पताल लेकर पहुंचे

युवती की मां ने बताया, आरोपी अयान बेटी को लगातार परेशान कर रहा था। वह कहता था कि मां से रुपए मंगाओ। घर मेरे नाम करा दो। मैंने झूठ बोल दिया कि घर तो बेच दिया है, तो उसने बेटी के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी। मेरे घर में रखे गृहस्थी के पूरे सामान को भी तोड़फोड़ दिया। मैं शिवपुरी में थी। बुधवार सुबह आरोपी के घर वाले ही बेटी को घायल हालत में अस्पताल लेकर आए। मैं भी शिवपुरी से आई।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, अवैध शराब मिली

एसपी संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के बयान के आधार पर आगे जो कार्रवाई बनेगी, वह की जाएगी। कैंट टीआई दिलीप राजौरिया ने बताया कि पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची, तो वह बाइक पर दो शराब की कैन में 60 लीटर शराब लेकर जा रहा था। आबकारी एक्ट में भी केस दर्ज किया।

आरजीपीवी के पूर्व वित्त नियंत्रक की पत्नी को भेजा जेल, 19.48 करोड़ रुपए के घोटाले में आया नाम

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को एसआईटी ने शुक्रवार को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया था। शनिवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

इस लिए सीमा बनी आरोपी

बता दें, यूनिवर्सिटी में हुए 19.48 करोड़ रुपए के घोटाले की जांच में उनका भी नाम सामने आया था। उनके नाम एक्सिस बैंक में 20 लाख रुपए की एफडी बनाई गई थी। एक्सिस बैंक में एफडी की कैश कराने के बाद वहां से डीडी बनाकर आरबीएल बैंक में जमा किया गया और 13 मार्च को सीमा के नाम से 20 लाख रुपए की एफडी पैसों के लेनदेन को लेकर बनी थी।

यह आरोपी अब भी हैं फरार

घोटाले में अभी वर्मा के अलावा तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत फरार हैं। आरजीपीवी में 19.48 करोड़ रुपए की आर्थिक अनियमितताओं के मामले में गांधी नगर पुलिस ने 3 मार्च को स्वतः दर्ज की थी।

इन आरोपियों को पहले भेजा जा चुका है जेल

इस मामले में एसआईटी ने तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार, एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर रामकुमार रघुवंशी, दलित संघ सोहागपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुनील रघुवंशी और कुमार मयंक को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घोटाले की जो राशि कुमार मयंक के खाते में ट्रांसफर की गई थी उसमें से ही सीमा के नाम 19 लाख रुपए की एफडी बनाई गई थी। एसआईटी ने शुक्रवार को सीमा को चिनार उपवन दानिश नगर से गिरफ्तार किया था।

नक्सलवादः आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को %नक्सलवाद% के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन् पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मज़दूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ ज़िम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे ज़मीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहाँ जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहाँ न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं।

संपादकीय

क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी? आपको पता होना चाहिए कि यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित। दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है। तीसरा, इस प्रेस वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, %एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है।

इंदौर नगर निगम के असिस्टेंट इंजीनियर और लाइनमैन को पीटा

पिस्तौल तानी, कपड़े भी फाड़े; पानी के छींटे उड़ने पर हुआ था विवाद

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर नगर निगम के असिस्टेंट इंजीनियर और लाइनमैन के साथ शनिवार सुबह मारपीट की गई। आरोपियों ने उन पर पिस्टल तानी और कपड़े भी फाड़ दिए। अफसर सहित कई कर्मचारियों ने थाने जाकर दो युवकों पर एफआईआर कराई है। फिलहाल, आरोपी फरार हैं। निगम के नर्मदा प्रोजेक्ट के सहायक यंत्री पंकज दहायत और लाइनमैन कैलाशपुरी इलाके में निरीक्षण पर थे। उन्होंने यहां नर्मदा पाइप लाइन का प्रेशर चेक किया। पास ही बन रहे मकान पर पानी की तराई की जा रही थी। इसके छींटे अफसरों को लगे। इसको लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई। दो युवकों ने इंजीनियर और लाइनमैन पर हमला कर दिया। पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी दी। खजराना थाना प्रभारी सुजित श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में फरियादी पंकज दहायत की शिकायत पर सरकारी काम में बाधा समेत मारपीट की धाराओं में आरोपी रितेश करोसिया और रितिक पर केस दर्ज किया है।

तराई रोकने को कहा तो हमला किया

फरियादी पंकज दहायत का कहना है कि निगम की टीम कैलाशपुरी में नर्मदा पाइप लाइन चेक करने गई थी। पास ही कुछ महिलाएं मकान की तराई का काम कर रही थीं। पानी के छींटे अफसर और लाइनमैन पर आ रहे थे। मना करने पर महिलाओं ने विवाद शुरू कर दिया। इसी बीच उनके परिवार के कुछ युवक मौके पर आ गए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। मैंने अपने लाइनमैन से वहां से चलने को कहा। कुछ दूर आए तो देखा कि मेरा मोबाइल नहीं था। लाइनमैन को मौके से मोबाइल उठाकर लाने को भेजा। जब वह गया तो आरोपी रितेश ने पिस्टल निकाल ली और जान से मारने की धमकी दी। बाइक को भी लात मारकर गिरा दिया।

थर्ड ईयर की छात्रा से ज्यादती

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी भोपाल में क्रस्ट थर्ड ईयर में पढ़ने वाली छात्रा बिहार में अपने मामा के घर शादी समारोह में गई थी। यहां पर उसकी मुलाकात रिश्तेदार युवक से हो गई थी। दोनों के बीच दोस्ती हो जाने के बाद युवक भोपाल आया तथा युवती को एक होटल में लेकर गया और यहां पर उसके साथ ज्यादती की। बाद में जब वह फिर से शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालने लगा तो युवती ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार साल पहले हुई थी आरोपी से दोस्ती

पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय युवती पिपलानी थानाक्षेत्र में रहती है और बीएससी थर्ड ईयर की छात्रा है। वह मूलत: बिहार की रहने वाली है। चार साल पहले वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गई थी। यहां पर उसकी पहचान दीपक तिवारी नाम के युवक से हुई। वह भी उसी शादी में शामिल होने के लिए आया था।

दो साल पहले की थी पहली बार ज्यादती

दोनों के बीच पहचान हुई तो दीपक ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। बाद में दोनों के बीच बातचीत होने लगी। करीब दो साल बाद मार्च 2022 में दीपक युवती से मिलने के लिए भोपाल आया। घुमाने के बहाने वह उसे एक होटल में लेकर गया। यहां पर उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। ज्यादती करने के बाद वह वापस बिहार लौट गया।

बदनाम करने की धमकी देकर कई बार ज्यादती की

कुछ दिनों बाद वह भोपाल वापस आया तथा आनंद इलाके में किराए का मकान लेकर रहने लगा। रिश्तेदारों में बदनाम करने की धमकी देकर वह उसने युवती के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

मप्र में तीसरे चरण में 13 नामांकन निरस्त

अब 9 सीटों पर 140 प्रत्याशी मैदान में; नाम वापसी के बाद क्लियर होगी फाइनल स्थिति

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में तीसरे चरण की 9 सीटों पर अब 140 प्रत्याशी मैदान में हैं। शनिवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की गई। जिसमें 13 नामांकन निरस्त हो गए। स्क्रूटनी में विदिशा से सपाक्स पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत साहू का नामांकन जांच के बाद निरस्त कर दिया गया है। जांच के दौरान प्रत्याशियों के नामांकन दस्तावेजों की कमी के चलते निरस्त किए गए हैं। सोमवार को नाम वापसी के बाद मुरैना, भिंड, गुना, ग्वालियर, विदिशा, भोपाल, सागर, राजगढ़, बैतूल सीट पर प्रत्याशियों की फाइनल संख्या सामने आ सकेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा मुरैना में 16 प्रत्याशी, भिंड में 8 , ग्वालियर में 21, गुना में 17, सागर में 14, विदिशा में 16, भोपाल में 25, राजगढ़ में 15 और बैतूल 8 प्रत्याशियों के नामांकन सही पाए गए हैं। लोकसभा क्षेत्र मुरैना में 2, भिंड में 1, ग्वालियर में 1, विदिशा में 4, भोपाल में 3, राजगढ़ में 1 और बैतूल में 1 उम्मीदवार के नाम निर्देशन-पत्र जांच के बाद रिजेक्ट कर दिए गए। अब 22 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

तीसरे चरण में नामांकन पत्रों की जांच के बाद कैंडिडेट्स

मुरैना (कुल प्रत्याशी-15)

सत्यपाल सिंह, कांग्रेस
शिवमंगल सिंह तोमर, बीजेपी
रमेश चंद्र गर्ग, बीएसपी
नीरज चंदसोरिया, आजाद समाज पार्टी
राजेंद्र प्रसाद कुशवाह, बहुजन मुक्ति पार्टी
पियूष राजोरिया, निर्दलीय
प्रभु सिंह, निर्दलीय
रामसेवक, निर्दलीय
राम सुंदर शर्मा, निर्दलीय
मधुराज सिंह तोमर, निर्दलीय
राजकुमारी, निर्दलीय
रामनिवास, निर्दलीय
हरिकंठ, निर्दलीय
राजेंद्र सिंह गुर्जर, निर्दलीय
सूरज कुशवाह, निर्दलीय

विदिशा (कुल प्रत्याशी 15)

शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी
प्रताप भानु शर्मा, कांग्रेस
किशनलाल लड़िया, बीएसपी
सत्येंद्र सिंह सिसोदिया, शिवसेना (उद्धव)
सीमा शर्मा, सपाक्स पार्टी
भीकम सिंह कुशवाहा, महानवादी पार्टी
धर्मवीर भारती, अखिल भारतीय परिवार पार्टी
कमलेश कुमार गौर, जय प्रकाश जनता दल
धर्मेंद्र सिंह पंवार, राइट टू रिकाल पार्टी
मुंशीलाल सिलावट, पब्लिक पालिटिकल पार्टी
धूल सिंह धम्मा, बहुजन मुक्ति पार्टी
दीपक कुमार तिवारी, भारतीय जनता समाज सेवी पार्टी
मो. तलत खान तलत, निर्दलीय
अब्दुल जब्बार, निर्दलीय
अब्दुल राशिद, निर्दलीय

सागर (कुल प्रत्याशी-13)

डॉ लता वानखेड़े, बीजेपी
भगवती प्रसाद जाटव, बीएसपी
चंद्र भूषण सिंह बुंदेला, कांग्रेस
सुरेश धानक, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी
रामभजन बंसल, समता पार्टी
रामावतार, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया
लक्ष्मी बाई पटेल, पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड
भीकम सिंह कुशवाहा, महानवादी पार्टी
मो. आरिफ मकरानी, निर्दलीय
राजकुमार अहिरवार, निर्दलीय
संग्राम सिंह, निर्दलीय
धर्मेंद्र बनपुरिया, निर्दलीय
तोषमणि पंथी, निर्दलीय।

24 अप्रैल को सागर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

न्यूज क्राइम फाइल

लोकसभा चुनाव के चलते 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सागर आ रहे हैं। वे मकरोनिया के बड़तूमा में लोकसभा प्रत्याशी लता वानखेड़े के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे। उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर सागर में भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियों को लेकर सागर क्लस्टर प्रभारी व पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा, खुरई विधायक व पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, सागर विधायक शैलेंद्र जैन, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया समेत अन्य भाजपा नेता ने बड़तूमा पहुंचकर सभा स्थल का जायजा लिया। जहां उन्होंने सभा का मंच लगाने, पार्किंग और आने-जाने के लिए मार्ग समेत हेलीपैड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सागर क्लस्टर प्रभारी व पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को सागर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के सागर आगमन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सागर में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा मध्यप्रदेश की 29 में से 29 सीटें जीतेगी। इधर, प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर भाजपा स्वयं सेवी प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को आम सभा की तैयारियों की जिम्मेदारी सौंप गई। लोकसभा सह संयोजक श्याम तिवारी ने जानकरी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को दोपहर 12 बजे सागर के बड़तूमा में आ रहे हैं।

फोटो कैप्शन

पार्किंग में खड़ी बाइकें चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने बाइकें चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पार्किंग में खड़ी बाइकों को चोरी कर ले जाता था। पूछताछ में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की 7 बाइकें जब्त की है। मामले में पुलिस आरोपी से अन्य मामलों को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार फरियादी जगदीश पिता श्रीराम प्रसाद प्रजापति उम्र 50 साल निवासी इतवारी वार्ड ने 16 अप्रैल को थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि 15 अप्रैल की सुबह करीब 7 बजे वह घर से अपनी बाइक क्रमांक एमपी 15 एनडी 3305 से भाग्योदय अस्पताल गया था। जहां पर पार्किंग में बाइक खड़ी कर काम से चला गया। शाम करीब 6 बजे घर जाने के लिए पार्किंग में बाइक लेने पहुंचा तो नहीं मिली। आसपास बाइक को तलाशा। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया।

हैदराबाद की लगातार चौथी जीत

दिल्ली को 67 रन से हराया; हेड ने बनाए 89 रन, नटराजन को 4 विकेट

न्यूज क्राइम फाइल

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत हासिल की है। शनिवार को टीम ने 35वें लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 67 रन से हराया। इस जीत से सनराइजर्स पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। हैदराबाद ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 266 रन बनाए। टीम ने सीजन में तीसरी बार 250 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली की टीम 19.1 ओवर में 199 रन पर ऑलआउट हो गई। एसआरएच के ओपनर ट्रैविस हेड ने 32 बॉल पर 89 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 12 बॉल पर 46 रन की पारी खेली। शाहबाज अहमद ने नाबाद 59 और नितिश कुमार रेड्डी ने 37 रन बनाए। दिल्ली से कुलदीप यादव ने चार विकेट झटके। अक्षर पटेल को एक सफलता मिली। रन चेज में दिल्ली की ओर से जैक फ्रेजर-मैगर्क ने 18 बॉल पर 65 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 44 रन और

अभिषेक पोरेल ने 22 बॉल पर 42 रन का योगदान दिया। स्क्रा। के टी नटराजन ने 4 विकेट झटके। नितिश रेड्डी और मयंक मारकंडे को 2 विकेट मिले।

ट्रैविस हेड मैन ऑफ द मैच

हैदराबाद के ओपनर ट्रैविस हेड मैन ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 32 बॉल पर 89 रनों की पारी खेली। हेड की पारी में 11 चौके और 6 छक्के जमाए।

पॉइंट्स टेबलः हैदराबाद दूसरे नंबर पर आई, दिल्ली नंबर-7 पर

इस जीत के बाद हैदराबाद की टीम मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर आ गई है। टीम को दो स्थान का फायदा हुआ है। जबकि दिल्ली की टीम एक स्थान के नुकसान के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गई है। हैदराबाद के पास 7 मैच के बाद 10 अंक हैं, जबकि दिल्ली 8 मैच खेलकर 6 अंक ही हासिल कर सकी है।

पंत 44 रन बनाकर लौटे, दिल्ली 199 रन पर ऑलआउट

20वें ओवर की पहली बॉल पर दिल्ली ने आखिरी विकेट गंवा दिया है। नितिश कुमार रेड्डी के ओवर की पहली बॉल पर पंत पुल शॉट खेलने के चक्कर में फाइन लेग में खड़े टी नटराजन को कैच थमा बैठे। वे 44 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ हैदराबाद ने यह मैच 67 रन से जीत लिया।

नटराजन को एक ओवर में तीन विकेट

19वें ओवर में टी नटराजन ने तीन विकेट झटके। उन्होंने अक्षर पटेल, एनरिक नोर्त्या और कुलदीप यादव को पवेलियन राह दिखाई। उन्होंने इस ओवर में कोई रन खर्च नहीं किया।

दिल्ली का छठा विकेट गिरा, नटराजन ने ललित को बोल्ड मारा

15वें ओवर की आखिरी बॉल पर दिल्ली ने छठा विकेट गंवाया। नटराजन ने ओवर की आखिरी बॉल पर ललित यादव को बोल्ड कर दिया। ललित 7 रन बनाकर आउट हुए। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 166/6 रहा।

28 एम्प्लॉई को निकालने के बाद गूगल सीईओ ने कर्मचारियों को दिया मैसेज

ऑफिस में पॉलिटिक्स के लिए कोई जगह नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

टेक कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने अपने कर्मचारियों से पॉलिटिक्स को वर्कप्लेस (ऑफिस) से दूर रखने को कहा है। सीईओ ने ये बात गूगल से 28 कर्मचारियों को निकालने के बाद कंपनी के कर्मचारियों के लिए लिखे एक ब्लॉग पोस्ट में कही है। इसमें उन्होंने कर्मचारियों को एक तरह से आदेश दिया कि दफ्तर आकर वह काम करें, न कि राजनीति में उलझें। मिशन फर्स्ट शीर्षक वाले अपने नोट में पिचाई ने कहा- कंपनी की पॉलिसी और एक्सपेक्टेशंस क्लीयर हैं। ऑफिस में पॉलिटिक्स के लिए कोई जगह नहीं है।

निंबस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे थे कर्मचारी

दरअसल, कुछ एम्प्लॉईज कंपनी के 1.2 बिलियन के निंबस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे थे, जो अमेजन के साथ एक ज्वाइंट प्रोजेक्ट है। इसमें इजरायल सरकार और सेना को क्लाउड सर्विस देने की बात कही जा रही है। प्रोजेक्ट के विरोध में न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और सनीवेल शहरों में गूगल के ऑफिसों में घंटों तक धरना देने के बाद पुलिस ने 9 लोगों

को गिरफ्तार किया था। उन्होंने खुद को परिसर से बाहर निकाले जाने का लाइवस्ट्रीम किया था। इसके बाद गूगल ने 28 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

गूगल सीईओ ने नोट में क्या कहा...

पिचाई ने कर्मचारियों से अपने नोट में कहा, गूगल का कल्चर हमेशा से खुली बातचीत को बढ़ावा देने वाला रहा है। यही वजह हमें बेहतरीन प्रोडक्ट बनाने और अच्छे आइडियाज पर एक्शन लेने के काबिल बनाती है। एक बात ध्यान रखने की है कि आखिर में हम एक दफ्तर में काम करते हैं और यहां की कुछ पॉलिसी और एक्सपेक्टेशंस क्लीयर हैं। हम एक बिजनेस के लिए काम करते हैं। इसलिए ऑफिस ऐसी जगह नहीं है, जहां आप अपने को-वर्कर्स के काम में बाधा डालें, उन्हें असुरक्षित महसूस कराएं। कंपनी को पर्सनल प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल करें या व्यवधान पहुंचाने वाले मुद्दों पर आपस में लड़ें या राजनीति पर चर्चा करें। गूगल के कर्मचारियों को तार्किक रहना चाहिए। हमारा टारगेट दुनिया की इंफॉर्मेशन को ऑर्गनाइज करना और दुनिया के लिए एक भरोसेमंद जानकारी अवेलेबल कराने वाला बने रहना है। 30,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकता है गूगल-एड-सेल्स डिपार्टमेंट में छंटनी की तैयारी, कंपनी इनकी जगह ढ से काम लेगी आने वाले कुछ समय में गूगल अपने 30,000 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाल सकता है। कंपनी में यह छंटनी एड-सेल्स डिपार्टमेंट में होगी। इस बात की जानकारी बिजनेस टुडे ने द इंफॉर्मेशन के हवाले से दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी के एड-सेल्स के हेड जॉन डाउनी ने हाल ही एक मीटिंग में बताया कि गूगल अपने एड डिपार्टमेंट को री-स्ट्रक्चर करने की प्लानिंग कर रहा है। साथ ही कंपनी इस डिपार्टमेंट में ढ के ऑपरेशन को बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। जिसके चलते बड़े स्तर पर जॉब कट हो सकती है।

मऊगंज में कहा- कांग्रेस का विसर्जन तय; रीवा में पटवारी बोले- मोदी जा रहे

शिवराज बोले- राहुल गांधी रणछोड़दास हो गए

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को रीवा में कहा, 19 अप्रैल को एमपी की 6 सीटों पर चुनाव हुए। इनमें 4 सीट कांग्रेस लाएगी। देश में जिस तरह से वोटिंग की ट्रेंड चल रही है, मोदी जा रहे हैं और इंडिया गठबंधन आ रहा है। पटवारी आज रीवा संभाग के दौरे पर हैं। वे रीवा से कांग्रेस प्रत्याशी नीलम अभय मिश्रा के समर्थन में पहुंचे हैं। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी आज मऊगंज पहुंचे। रीवा से बीजेपी प्रत्याशी जनार्दन मिश्र के समर्थन में हुई सभा में उनके निशाने पर राहुल गांधी रहे। पूर्व सीएम ने कहा, %कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता सोनिया गांधी चुनाव नहीं लड़ रहीं। चुनाव के मैदान से पलायन कर दिया। राहुल बाबा अमेठी से लड़ते थे। वे रणछोड़दास हो गए। अमेठी से वायनाड निकल लिए। लेकिन, हम लड़ रहे, क्योंकि हम यहां पैदा हुए हैं।

पटवारी बोले- मोदी छोटी और ओछी भाषा बोलते हैं

राहुल गांधी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर पटवारी ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की भाषा प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देती। आपने 10 साल में क्या किया? देश में सबसे ज्यादा गरीबी क्यों है? देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी क्यों है? सिलेंडर 1200 का क्यों हो गया? आप देश को क्या देना चाहते हैं? इस पर बात नहीं करते, छोटो और ओछी भाषा बोलते हैं। आज नांदेड़ (महाराष्ट्र) की सभा में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है, राहुल गांधी 26 अप्रैल के बाद किसी अन्य क्षेत्र से नामांकन करेंगे। कांग्रेस के शहजादे को अब वायनाड से भी डर लग रहा है। वे अब अमेठी की तरह वायनाड भी छोड़कर भागेंगे।

शिवराज बोले-राहुल बाबा, इटली वाली भाषा हम नहीं ला सकते

मऊगंज की सभा में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल गांधी कह रहे थे कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में गरीबों के लिए कुछ कहा ही नहीं है। अरे राहुल बाबा, हमने हिंदी में संकल्प पत्र जारी किया है, जरा ध्यान से पढ़ लो। हिंदी नहीं आती तो अंग्रेजी वाला पढ़ लो। अब अंग्रेजी भी तुम्हारी समझ नहीं आए तो इटली वाली भाषा तो हम नहीं ला सकते।

शहर में पोस्टर..भाजपा के दलालों के साथ थाने न आएं

सागर में पर्चे लगाने वाले पकड़ाए; बोले- पुलिस ने रोका, इसलिए किया बदनाम

न्यूज क्राइम फाइल

आम सूचना - आम जनता को सूचित किया जाता है कि भाजपा के दलालों के साथ थाने में प्रवेश न करें। - आदेशानुसार समस्त स्टाफ, नरयावली थाना, सागर (मप्र)

सागर जिले के नरयावली में कई जगहों पर चस्पा इस तरह से पर्चे नजर आए तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मामला सत्ताधारी दल से जुड़ा था। पुलिस फौरन हरकत में आई और पर्चे चस्पा करने वाले लोगों को ढूंढ निकाला। आरोपियों ने पर्चे लगाने की जो वजह बताई वो हैरान करने वाली है।

पढ़िए, आरोपियों ने आखिर ऐसे पर्चे क्यों चस्पा किए

दरअसल, बीते सोमवार की रात सत्यम सोनी और लाखन उर्फ राजा ठाकुर नाम के दो शख्स किसी शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। तभी चेकिंग के दौरान नरयावली पुलिस ने इनकी कार रोकी और पूछताछ की। जिसके चलते ये शादी में जाने से लेट हो गए। इसी बात से गुस्सा होकर दोनों ने पुलिस को बदनाम करने का प्लान बनाया। दोनों ने नशे की हालत में शादी समारोह से लौटते वक्त नरयावली में कई जगहों पर पर्चे चस्पा कर दिए और अपने घर चले गए।

सुबह जब पर्चे दिखे तो पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

मंगलवार सुबह लोगों ने ये पर्चे देखे। पुलिस तक मामला

पहुंचा तो विभाग में हड़कंप मच गया। क्योंकि पर्चे नरयावली थाना स्टाफ के नाम से जारी किए गए थे और इसमें सत्ताधारी दल के नेताओं के लिए दलाल जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस फौरन हरकत में आई। एसपी अभिषेक तिवारी ने मामले में संज्ञान लिया और जांच के निर्देश दिए।

ऐसे पर्चे चस्पा करने वाले आरोपियों तक पहुंची पुलिस

एसपी के निर्देश पर एक टीम बनाई गई। जिसके बाद पर्चे चस्पा करने वालों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने शहर में लगे कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। मोबाइल नंबरों की ट्रेसिंग की गई। इस दौरान मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को सत्यम सोनी निवासी बड़ा बाजार और लाखन उर्फ राजा ठाकुर निवासी लेहदारा नाका को गिरफ्तार किया। शनिवार को दोनों को कोर्ट में पेश किया गया।

पुलिस के रोकने से नाराज थे, इसलिए पर्चे चस्पा किए

आरोपियों ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने हमारी कार रोकी थी। इससे हम शादी में जाने के लिए लेट हो गए थे। इसी गुस्से में पोस्टर चस्पा किए थे। नरयावली थाना प्रभारी कपिल लाक्षाकार ने बताया कि आरोपी लाखन ठाकुर ड्राइवर का काम करता है, जबकि सत्यम सोनी बेरोजगार है। घटना की रात दोनों बीना से लौट रहे थे। नशे की हालत में विवादित पोस्टर लगाकर अपने घर चले गए थे। दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। ताकि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो सके।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के ऊपर फेंकी कुर्सियां, कोतवाली पुलिस ने शांत कराया मामला

मीडिया डिबेट के दौरान भाजपा और कांग्रेसी भिड़े, फेंकी कुर्सियां

न्यूज क्राइम फाइल

टीकमगढ़ के नजरबाग परिसर में चल रही मीडिया डिबेट के दौरान शनिवार रात करीब 8:30 बजे भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां फेंकी। मामले की सूचना लगते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला शांत कराया। इस मामले को लेकर भाजपा के पदाधिकारी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करने पहुंचे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, शुक्रवार रात एक मीडिया चैनल की ओर से लोकसभा चुनाव को लेकर रात 8 बजे मीडिया डिबेट का आयोजन रखा गया था। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष अमित नुना, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवीन साहू सहित बीजेपी के लोकसभा चुनाव के संयोजक विवेक चतुर्वेदी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पूनम जायसवाल, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष विभा श्रीवास्तव, कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा सहित भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। करीब 25 मिनट तक कार्यक्रम में भाजपा और कांग्रेस के लोग एक दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप लगाते रहे। इस दौरान बीच-बीच में दोनों पक्षों की ओर से तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। रात करीब 8:30 बजे कार्यक्रम समाप्त होने से पहले दर्शक दीर्घा में खड़े किसी युवक ने भाजपा मुर्दाबाद के

नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री के लिए गलत शब्दों का प्रयोग किया। जिससे भाजपाई भड़क गए। भाजपा पार्षद मुन्ना साहू और मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल द्विवेदी उस लड़के को समझाने लगे। इसी दौरान दोनों ओर से विवाद शुरू हो गया और देखते ही देखते लोगों ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दी। घटना में भाजपा और कांग्रेस के कुछ लोगों को मामूली चोट भी आई हैं। विवाद की सूचना लगते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- कांग्रेस की ओर से शुरू हुआ विवाद

भाजपा जिलाध्यक्ष अमित नुना ने बताया कि डिबेट की शुरुआत से दोनों ओर से शांतिपूर्ण तरीके से अपने-अपने मुद्दों को लेकर आरोप लगाए जा रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस पक्ष की ओर खड़े किसी युवक ने प्रधानमंत्री के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल किया। जब उसे रोका गया तो कांग्रेसियों ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दी।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बोले- सच्चाई सुनकर भाजपा के लोग भड़के

इस मामले में कांग्रेस जिला अध्यक्ष नवीन साहू ने बताया कि डिबेट में मौजूद आम लोगों ने बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर प्रधानमंत्री और भाजपा के खिलाफ बोलना शुरू किया। जिससे भाजपा के लोग भड़क गए और उन्होंने विवाद शुरू कर दिया। भाजपा के लोगों ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की है।

जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

घटना के बाद भाजपा मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल द्विवेदी अपने साथियों के साथ शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटना में भाजपा के कुछ लोगों को चोट आई हैं। इस संबंध में उन्होंने थाना प्रभारी को शिकायत पत्र सौंप कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नरेंद्र पटेल ने विस चुनाव में हार के बाद स्कार्पियों बेची, 2 लाख की प्रॉपर्टी घटीं

खुद को गरीब बताने वाले कांग्रेस प्रत्याशी करोड़पति

न्यूज क्राइम फाइल

खंडवा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल ने शनिवार को नामांकन फार्म जमा कर दिया। उन्होंने मुहूर्त का नामांकन दो सेट में जमा किया। इस दौरान पूर्व मंत्री व कसरावद विधायक सचिन यादव, पूर्व विधायक व सीनियर लीडर राजनारायणसिंह पुरनी, भीकनगांव विधायक झूमा सोलंकी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मुनीश मिश्रा, सीनियर अधिवक्ता मुकेश नागौरी मौजूद थे। कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल ने नामांकन पत्र के साथ संपत्ति का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने 6 महीने पहले बड़वाह विधानसभा से चुनाव लड़ा था। अब जान लिजिए, विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद लोकसभा चुनाव लड़ रहे नरेंद्र पटेल की संपत्ति के बारें

खुद को गरीब बताया था, 3 करोड़ की संपत्ति

टिकट फायनल होने के बाद खंडवा दौरे पर आए कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल ने प्रचार करते हुए

आर्थिक सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा था कि वे काफी गरीब है। उनकी इस बात पर भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल ने पत्रकारों से कहा था कि थोड़ा इंतजार कर लो। नरेंद्र पटेल जब नामांकन जमा करेंगे तो पता चल जाएगा कि वो कितने अमीर है। पटेल ने अपने पास चल-अचल संपत्ति सहित कुल प्रॉपर्टी की कीमत करीब 2 करोड़ 93 लाख 83 हजार रूपए बताई है। 6 महीने पहले अक्टूबर 2023 में विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने 2 करोड़ 95 लाख 69 हजार रूपए की संपत्ति दर्शाई थी।

1990 मॉडल की जीप रखते है, स्कार्पियों बेची

नरेंद्र पटेल के पास वाहनों में सिर्फ 1990 मॉडल की महिंद्रा जीप है, जो 50 हजार रूपए कीमत रखती है। इसके अलावा डेढ़ लाख रूपए के कृषि उपकरण है। विधानसभा चुनाव में उनके पास 2008 मॉडल की महिंद्रा स्कॉर्पियों भी थी, लेकिन इस बार उन्होंने स्कॉर्पियों का जिक्र नहीं किया है। पटेल ने स्कॉर्पियों बेच दी है। हथियार में 12 बोर की बंदूक है। खुद के पास 165 ग्राम सोना रखते है।

हाथ में नकदी बढ़ी, मकान में आठवां हिस्सा

कांग्रेस प्रत्याशी ने खुद के पास 2 लाख 50 हजार रूपए की नकद राशि बताई है। विधानसभा चुनाव में उनके पास 1 लाख 90 हजार रूपए नकदी थी। प्रॉपर्टी में करीब 30 एकड़ जमीन है। डाल्याखेड़ी और सनावद में मकान है, इस मकान में उनका आठवां हिस्सा है। पत्नी अलका पटेल के नाम पर इंदौर के न्याय नगर में 1400 स्वेक्यर फीट का प्लाट है। पटेल ने 1979 में हाईस्कूल पास की थी। वे शुद्व रूप से किसान है। उन्होंने सनावद की बैंक से 7 लाख रूपए का क्रॉप लोन ले रखा है।

सागर में रोड शो में सीएम ने घुमाया मुगदर

सागर लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी लता वानखेड़े ने जमा किया नामांकन, सीएम बोले- इस बार मप्र में 29 पार

न्यूज क्राइम फाइल

सागर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी लता वानखेड़े ने गुरुवार को नामांकन दाखिल कर दिया। फॉर्म जमा करते समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, प्रहलाद पटेल और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा साथ रहे। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा किसी कारणवश नहीं आ सके। इससे पहले सीएम और पार्टी के सीनियर नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया। कटरा बाजार में रोड शो का समापन हुआ। रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समर्थकों द्वारा दिया गया मुगदर घुमाया। उनके मुगदर घुमाते ही पुष्पवर्षा की गई। जिसके बाद जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचे। सागर से वानखेड़े के सामने कांग्रेस ने चंद्रभूषण सिंह बुंदेला उर्फ गुड्डू राजा को उतारा है।

जगह-जगह पुष्प वर्षा और रोड शो का हुआ स्वागत

रोड शो मोतीनगर चौराहे से शुरू हुआ जो बड़ा बाजार, कोतवाली होते हुए तीनबत्ती तिराहे पर पहुंचा। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई। तीनबत्ती तिराहे पर मुख्यमंत्री रोड शो के रथ से नीचे आए और डॉ. हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिसके बाद वे कार से जिला निर्वाचन कार्यालय के लिए रवाना हुए। जहां प्रत्याशी लता वानखेड़े का नामांकन जमा कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर में रोड शो में शामिल होकर प्रत्याशी का नामांकन जमा कराया है। यहां माहौल और उत्साह देखकर अच्छा लगा। पूरा भरोसा है कि मध्यप्रदेश में इस बार 29 पार।

मुगदर भेंट किया तो सीएम ने घुमाया

मुख्यमंत्री मोहन यादव बालाजी मंदिर के पास बने हेलीपैड पर पहुंचे। जहां भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेष केसरवानी ने हेलीपैड पर उन्हें मुगदर (गदा) भेंट किया। मुख्यमंत्री ने उत्साह पूर्वक मुगदर घुमाते हुए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। इस दौरान

आलोक शर्मा की संपत्ति 6 महीने में 2 करोड़ बढ़ी

भोपाल के आलोक शर्मा के पास 8.47 करोड़ की संपत्ति; कांग्रेस प्रत्याशी ज्यादा अमीर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल लोकसभा सीट से भाजपा कैंडिडेट आलोक शर्मा की संपत्ति 6 महीने में 2 करोड़ बढ़ी है। शर्मा ने चुनाव आयोग के सामने यह जानकारी दी है। उन्होंने 8.47 करोड़ संपत्ति बताई है। इससे पहले, विधानसभा चुनाव में उन्होंने 6.44 करोड़ संपत्ति की जानकारी दी थी। हालांकि, कांग्रेस कैंडिडेट अरुण श्रीवास्तव के मुकाबले यह कम है। शर्मा ने गुरुवार को नॉमिनेशन जमा किया। इसमें पति-पत्नी दोनों की संपत्ति की जानकारी दी गई है। उनकी चल संपत्ति 2.30 करोड़ है। वहीं, अचल संपत्ति में रसूलिया पठार, परवलिया सड़क, धामनिया, खजूरी सड़क में 7.76 एकड़ जमीन, लाउखेड़ी में 2 प्लाट, गुफा मंदिर के पास मकान शामिल हैं। इसकी कुल कीमत 6.17 करोड़ रुपए बताई गई है। चार आपराधिक केस की जानकारी भी दी गई है। वहीं, कार-जेसीबी और बंदूक भी उनके पास है।

विधानसभा चुनाव में बताई थी इतनी संपत्ति

विधानसभा चुनाव में आलोक शर्मा भोपाल उत्तर से बीजेपी प्रत्याशी थे। तब भी नॉमिनेशन के साथ उन्होंने संपत्ति का ब्यौरा दिया था। इसमें 1.90 करोड़ की चल और 4.54 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति बताई थी। तब बैंक में 38.53 लाख और पत्नी के अकाउंट में 22.72 लाख रुपए जमा थे। वर्तमान में उनके अकाउंट में 73.74 लाख रुपए और पत्नी के अकाउंट में 16.86 लाख रुपए जमा है। उन्होंने कृषि भूमि की जानकारी भी दी है।

पत्नी-बेटों के पास भी जेवर

शर्मा और उनकी पत्नी-बेटों के पास भी ज्वेलरी है। शर्मा के पास 150 ग्राम, पत्नी श्रद्धा शर्मा के पास 550 ग्राम, बेटे अर्पित के पास 50 ग्राम और अर्चित शर्मा के पास 40 ग्राम सोना है। पत्नी के पास साढ़े पांच किलो चांदी भी है। इस तरह परिवार के पास कुल 63 लाख 20 हजार रुपए की ज्वेलरी है।

आलोक शर्मा के पास 8.47 करोड़ की संपत्ति

- **उम्र-** 56 वर्ष

चल संपत्ति

- **कैश-** स्वयं- 50 हजार रुपए
- **पत्नी-** 90 हजार रुपए
- **बैंक में जमा-** स्वयं- 73.74 लाख रुपए
- **पत्नी-** 16.86 लाख रुपए
- **सोना-**चांदी- स्वयं- 150 ग्राम सोना
- **पत्नी-** 550 ग्राम सोना, 5.50 किलो चांदी
- **पॉलिसी-** 01
- **एफडी-** नहीं
- **म्यूचल फंड-** 02
- **गाड़ी-** स्विफ्ट, जेसीबी
- **हथियार-** 32 बोर, रायफल
- **कुल कीमत-** 2.30 करोड़ रुपए

अचल संपत्ति

- **मकान-** गुफा मंदिर के पास
- **व्यवसायिक भवन-** लालघाटी पर
- **कृषि भूमि-** 7.76 एकड़ (रसूलिया पठार, परवलिया सड़क, धामनिया, खजूरी सड़क में)
- **प्लाट-** लाउखेड़ी में 2 प्लाट
- **कुल कीमत-** 6.17 करोड़ रुपए

अरुण श्रीवास्तव, कांग्रेस

- **उम्र-** 63 वर्ष
- **आपराधिक केस-**01

चल संपत्ति

- **कैश-** स्वयं- 40 हजार रुपए
- **पत्नी-** 48 हजार रुपए
- **बैंक में जमा-** स्वयं: 14.65 लाख रुपए
- **पत्नी-** 8.38 लाख रुपए
- **सोना,** स्वयं- 200 ग्राम, 13.47 लाख रुपए कीमत
- **चांदी,** स्वयं- 1.5 किलो, 1.28 लाख रुपए कीमत
- **पत्नी-** सोना- 450 ग्राम, कीमत 30.32 लाख रुपए
- **चांदी-** 3 किलो, कीमत 2.56 लाख रुपए
- **पॉलिसी-**2
- **एफडी-** 1
- **म्यूचल फंड-** नहीं
- **गाड़ी-** 1 ट्रैक्टर, 1 महिंद्रा बोलेरो
- **कुल कीमत-** 1.64 करोड़ रुपए

अचल संपत्ति (पति-पत्नी की)

- मकान- 02
- व्यवसायिक भवन- नहीं
- कृषि भूमि- 29.53 एकड़
- प्लाट- 01
- कुल कीमत- 12.59 करोड़ रुपए

कर्नाटक सरकार ने शहर टैंकर माफिया के हवाले किया

मोदी बोले- बेंगलुरु टेक सिटी से टैंकर सिटी बना

संदीप कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 20 अप्रैल को बेंगलुरु में जनसभा की। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु टेक सिटी से टैंकर सिटी बन चुका है। कर्नाटक सरकार ने शहर को टैंकर माफिया के हवाले कर दिया है। बीते महीनों में बेंगलुरु में पानी की खासी किल्लत चल रही है। पानी की राशनिंग हो रही है। ज्यादा पानी खर्च करने पर जुर्माना लिया जा रहा है। मोदी ने ये भी कहा कि कांग्रेस सरकार एंटी-प्राइवेट सेक्टर, एंटी-टैक्सपेयर और एंटी-वैल्थ क्रिएटर्स है। कर्नाटक सरकार जिन विचारों को सपोर्ट कर रही है, वह खतरनाक है। I.N.D.I. गठबंधन का फोकस मोदी पर है, जबकि मोदी का फोकस भारत के विकास और दुनियाभर में देश की इमेज पर है। पीएम ने ये भी कहा कि इस चुनाव में I.N.D.I अलायंस के नेता अपना घिसा-पिटा टेप रिकॉर्डर लेकर घूम रहे हैं। जबकि मैं और मेरे साथी जनता के बीच अपना ट्रैक रिकॉर्ड लेकर जा रहे हैं।

महाराष्ट्र के नांदेड़ और परभणी भी गए थे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर महाराष्ट्र के नांदेड़ में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा- इंडी गठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहा। वायनाड में राहुल को संकट दिख रहा है। जैसे वे अमेठी छोड़कर भागे हैं, उन्हें वायनाड छोड़कर भी भागना पड़ेगा। नांदेड़ के बाद पीएम मोदी ने परभणी भी जनसभा की। यहां उन्होंने कहा, 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहा था, तब आतंकी हमलों के डर, आए दिन बम धमाके की खबरें छाई रहती थीं। 5 साल बाद 2019 में सीमा पार से होने वाले हमलों की चर्चा बंद हो गई और सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा होने लगी। ये तो मोदी है, घर में घुसकर मारता है। हर जगह यही चर्चा होने लगी।

1. इंडी गठबंधन वाले 4 जून के बाद एक-दूसरे के कपड़े फाड़ेंगे

पीएम ने कहा कि 4 जून के बाद इंडी गठबंधन एक-दूसरे के कपड़े फाड़ेगा। एक दूसरे के बाल नोंचने वाले हैं। आप बताईए कोई भी समझदार नागरिक इनके लिए वोट करेगा क्या? मैं मतदाताओं को कहता हूं कि आइए जी-भरकर एनडीए को वोट दीजिए। एनडीए को वोट करना है।

2. कांग्रेस गरीब, दलित, वंचित, मजदूर किसान के विकास में हमेशा दीवार बनी

आज भी एनडीए सरकार गरीब के लिए कोई काम करती है तो कांग्रेस उसका मजाक उड़ाती है। कांग्रेस गरीब, दलित, वंचित, मजदूर किसान के विकास के सामने हमेशा दीवार बनकर खड़ी है। आजादी के 6 दशक बाद हमने करोड़ों गरीब महिलाओं को शौचालय देने का अभियान छेड़ दिया। तब कांग्रेस और इंडी अघाड़ी वाले लोग मजाक उडाते थे।

3. विदर्भ में कांग्रेस के रवैए से किसान कमजोर हुए

पीएम ने नांदेड़ में इंडी गठबंधन को लेकर यह भी कहा कि आपकी समस्याओं का ये कभी समाधान कर सकते हैं क्या? कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और विदर्भ-मराठवाड़ के आसपास दम घोंटने वाला काम किया है। इस क्षेत्र में सूखे की स्थिति पानी का संकट एक दिन में नहीं पैदा हुआ है। कांग्रेस के रवैए के चलते किसान कमजोर होते गए। लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

ये तभी सफल होंगे, जब जिन पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है, वे इन्हें अपनाएंगे

नए क्रिमिनल लॉ समाज के लिए ऐतिहासिक: सीजेआई

न्यूज क्राइम फाइल

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन नए आपराधिक कानूनों को ऐतिहासिक बताया। सीजेआई ने ये भी कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में अहम बदलाव के लिए तैयार है। ये बदलाव तभी सफल होंगे, जब जिन पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है, वे इन्हें अपनाएंगे। सीजेआई के मुताबिक, इन नए कानूनों ने आपराधिक न्याय के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। ये ऐतिहासिक इसलिए हैं, क्योंकि कोई भी कानून क्रिमिनल लॉ जैसा रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित नहीं करता। सीजेआई ने दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस इंडियाज प्रोग्रेसिव पाथ इन द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मेहता मौजूद थे। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता इस साल एक जुलाई से लागू हो जाएंगे। इन कानूनों के बिल को संसद ने 21 दिसंबर 2023 को पास कर दिया था। 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साइन करने के बाद ये तीनों बिल कानून बन गए थे।

सीजेआई चंद्रचूड़ की स्पीच की 3 खास बातें

भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली ने हमारे सामाजिक-आर्थिक परिवेश में हुए तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। न्याय प्रणाली ने समाज में होने वाले अपराधों के तरीकों की एक बार फिर से कल्पना की है तकनीकी और नए युग के अपराध के बढ़ते दायरे, जो अपराध करने और नेटवर्क बनाने के लिए डिजिटल का इस्तेमाल करते हैं, इन्हें जांच की स्थिति में नहीं रखा जा सकता। इन चीजों ने अपराधों की जांच, सबूत और अभियोजन (प्रॉसिक्यूशन) के साथ-साथ न्याय देने में चुनौतियां पेश की हैं।

भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है। यह 7 साल से ज्यादा सजा वाले अपराधों के लिए तलाशी और जब्ती की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग और अपराध स्थल पर एक फोरेंसिक विशेषज्ञ की मौजूदगी तय करती है।